सीसीआरएएस समाचार पत्रिका

www.ccras.nic.in

खण्ड - XXVII, अंक - 2 जुलाई - सितम्बर, 2013

सचिव आयुष का अनुसंधान परिषदों में आगमन:

श्री नीलांजन सान्याल, सचिव आयुष विभाग एवं श्री बाला प्रसाद, संयुक्त सचिव (आयुष), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का दिनांक 9.9.2013 को सीसीआरएएस एवं अन्य अनुसंधान परिषदों में आगमन हुआ। सीसीआरएएस इन विषयों में समन्वयक था। प्रो. अभिमन्यु कुमार महानिदेशक सीसीआरएएस ने सर्वप्रथम सचिव आयुष एवं संयुक्त सचिव का स्वागत किया। महानिदेशक सीसीआरएएस ने परिषद् की गतिविधियों एवं उपलब्धियों तथा भविष्य में अनुसंधान हेतु योजना तथा विकास की रूपरेखा को प्रस्तुत किया। सचिव आयुष ने सुझाव दिया कि आधारिक संरचना एवं श्रम शक्ति से अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। महानिदेशक सीसीआरएएस ने सचिव आयुष एवं संयुक्त सचिव आयुष को उनके द्वारा किए गए उत्साहवर्धन एवं बहूमूल्य सुझाव देने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रो. अभिमन्यु कुमार, महानिदेशक, सीसीआरएएस ने श्री नीलांजन सान्याल, सचिव आयुष विभाग का सीसीआरएएस मुख्यालय के समिति कक्ष में स्वागत करते हुए।

सीसीआरएएस की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए श्री नीलांजन सान्याल, सचिव आयुष विभाग एवं श्री बाला प्रसाद, संयुक्त सचिव (आयुष)

संपादक मण्डल

मुख्य संपादक

प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार, महानिदेशक

कार्यकारी संपादक

डॉ. एम.एम. पाढ़ी, उप निदेशक *(तकनीकी)*

सह-संपादक

डॉ. एन. श्रीकांत, सहायक निदेशक (आयु.)
डॉ. भारती, सहायक निदेशक *(आयु.)*
डॉ. जी.सी. भूयां, अनुसंधान अधिकारी (आयु.)
डॉ. बी.एस. शर्मा, अनुसंधान अधिकारी (आयु.)
डॉ. वी.के. लवानियां, *अनुसंधान अधिकारी (आयु.)*
डॉ. रेनु सिंह, अनुसंधान अधिकारी (आयु..)

इस अंक में

- वैश्विक/राष्ट्रीय महत्व के (जैसे पैनल विचार-विमर्श, विदेश यात्रा आदि) कार्यक्रमों में परिषद् के अधिकारियों की यात्रा।
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर एवं चिकित्सा प्रजाति-वानस्पतिक दौरा
- आईईसी/अन्य जागरूकता कार्यक्रम/आरोग्य मेला का आयोजन एवं परिषद् द्वारा सहभागिता
- परिषद् के अधिकारियों का विभिन्न प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं में सहभागिता
- सीसीआरएएस एवं परिषद् के वैयक्तिक अधिकारियों द्वारा प्रकाशन
- परिषद् के अधिकारियों द्वारा वैज्ञानिक प्रस्तुति, अतिथि व्याख्यान, रेडियो/दूरदर्शन वार्ता तथा साक्षात्कार
- परिषद् अधिकारियों द्वारा पुरस्कार/मानदेय की प्राप्ति
- परिषद् के संस्थान/अधिकारियों द्वारा हिन्दी पखवाड़ा/ प्रशिक्षण संचालन में सहभागिता
- परिषद् के संस्थान/वैज्ञानिकों द्वारा महत्वपूर्ण बैठकों/ संगोष्ठियों/सम्मेलनों का आयोजन/सहभागिता
- नियुक्ति/प्रोन्नति/सेवानिवृत्ति आदि
- परिषद् से संबंधित अन्य कोई महत्वपूर्ण विषय/ सीसीआरएएस/आयुष में/देश से बाहर एवं वैश्विक
- हमारे संस्थान को जानें

वैश्विक/राष्ट्रीय महत्व के (जैसे-पैनल विचार-विमर्श, विदेश यात्रा आदि) कार्यक्रमों में परिषद् के अधिकारियों की यात्रा

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, जनकपुरी, नई दिल्ली

- डॉ. एम.एम. पाढ़ी, उप निदेशक *(तकनीकी)* सीसीआरएएस का नाइजीरिया की यात्रा

डॉ. एम.एम. पाढ़ी आयुष स्टॉल में आये हुए आगन्तुकों से परस्पर वार्ता करते हुए।

डॉ. एम.एम. पाढ़ी नाइजीरिया में सीएमई में उपस्थित चिकित्सकों के साथ व्याख्यान देते हुए।

- डॉ. एम.एम. पाढ़ी, तीन सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल के साथ 23 से 26 सितम्बर, 2013 तक अबुजा एवं लागोस में आयोजित भारतीय चिकित्सा पर्यटक उद्देश्य 2013 में आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। जन प्रदर्शनी के अतिरिक्त वहां पर नाइजीरिया चिकित्सकों हेतु आयुष पर सीएमई कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी की विषय वस्तु समग्र स्वास्थ्य रक्षा हेतु भारतीय पारंपरिक चिकित्सा एवं होम्योपैथी के संदर्भ में था।

राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी, केरल

- डॉ. पी.के.एस. नायर, प्रभारी सहायक निदेशक राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी ने दिनांक 20.08.2013 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में पंचकर्म के क्षेत्र में विशेषज्ञ के रूप में सेवा प्रदान करने हेतु निरीक्षण किया।

कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, चैन्नई

- श्री बाला प्रसाद, संयुक्त सचिव, आयुष विभाग ने दिनांक 02.08.2013 को इस संस्थान का मुआयना एवं निरीक्षण किया। डॉ. ए. सरस्वती, निदेशक (संस्थान) ने संस्थान की गतिविधियों, चले रहे अनुसंधान कार्य और भविष्य में प्रस्तावित अनुसंधान कार्य को प्रस्तुत किया।
- डॉ. आर.पी. राय हिन्दी अधिकारी, मुख्यालय, नई दिल्ली दिनांक 19.08.2013 को आयोजित हिदी कार्यशाला में मुख्य अतिथि थे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर तथा चिकित्सा-वानस्पतिक दौरा

मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान आयुर्वेदीय प्रगति केन्द्र, बैंगलोर, कर्नाटक

- मानसमंदता पर बैंगलोर के बस्तामनहाली में दिनांक 24.07.2013 को नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का संचालन किया गया। डॉ. बीसीएस राव एवं डॉ. श्रीनिवास साहू शिविर में उपस्थित हुए।
- मानसमंदता पर बैंगलोर के शोरेगाडंकोटे, के जी एफ, बांगरपेटे में दिनांक 01.08.2013 को नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का संचालन किया गया। डॉ. डी. सुधाकर शिविर में उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय वृक्ष आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झांसी, उत्तर प्रदेश

- सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश का चिकित्सा-वानस्पतिक सर्वेक्षण दौरा किया गया। 72 परिवारों, 173 प्रजातियों, 219 उप-जाति संग्रहित किए गए। कुल 200 पादपों का आरोहण किया गया। लगभग 95 छायाचित्र लिए गए।

आयुर्वेदीय क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक, सिक्किम

- डॉ. टी. के. मंडल, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी, वैज्ञा.-2 एवं डॉ. एस.के. देबनाथ, अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञा.-1) (आयुर्वेद) ने मुख्य कार्यकारी न्यास, होंगेलु रवित्रराय स्मारक न्यास लॉयंस क्लब रानीपूल के तत्वाधान में दिनांक 18.8.13, को वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय असम लिंगजी शिविर में आयोजित चिकित्सा जांच में भाग लिया। इस चिकित्सा शिविर में कुल 85 रोगी को परामर्श एवं आयुर्वेदिक औषधि प्रदान की गई।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लिंगजी असम, पूर्वी सिक्किम

- डॉ. टी.के. मंडल, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञा.-2) ने पी.आई.बी. भारत सरकार, गंगटोक द्वारा दिनांक 25 से 27 सितम्बर, 2013 तक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नामथंग, दक्षिण सिक्किम में आयोजित चिकित्सा शिविर में सहभागिता की। इस चिकित्सा शिविर में कुल 441 मरीज को परामर्श तथा नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गई।

निशुल्क चिकित्सा शिविर नामथंग, दक्षिण सिक्किम

- डॉ. टी.के. मंडल, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञा.-2) (आयुर्वेद) अध्यक्ष लॉयंस क्लब रानीपूल पूर्वी सिक्किम द्वारा दिनांक 12.9.2013 को वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित चिकित्सा शिविर में भाग लिया। इस चिकित्सा शिविर में कुल 134 रोगी को परामर्श एवं आयुर्वेदिक औषधियां वितरित की गई।

आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, मंडी

- संस्थान में इस तिमाही में एलम्बिक स्वास्थ्य रक्षा के सहयोग से रक्ताल्पता हेतु कुल 4 नि:शुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। इस शिविर में कुल 56 रोगियों का परीक्षण किया गया। जिसमें से 25 रोगियों में रक्ताल्पता देखने में आया। रोगियों को नि:शुल्क औषधि प्रदान की गई।
- संस्थान में फार्मड औषधि कंपनी के सहयोग से एआरआरआई अस्पताल शिविर, गांधी भवन, मंडी में अस्थिसौषिर्य हेतु बीएमडी एवं बीएमआई जांच हेतु नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। कुल 122 रोगियों का परीक्षण किया गया। जिसमें 78 रोगियों में अस्थिक्षय देखा गया। 10 रोगियों में अस्थिसौषिर्य एवं 34 रोगी सामान्य पाये गये। रोगियों को नि:शुल्क औषधि प्रदान की गई।

आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना (आयुर्वेद), पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीप

- आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना (आयुर्वेद) एकक एवं आयुष अस्पताल स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के

सहयोग से दिनांक 26 से 29 अगस्त, 2013 के दौरान रामकृष्णपुर एवं फार्म टेकरी, लिटिल अंडमान एवं हरमिन्दर बे के निकोबार आदिवासी जनसामान्य हेतु आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा आयुर्वेद शिविर का संचालन किया गया। सर्वेक्षण एवं आयुर्वेद शिविर के माध्यम से 109 आदिवासी एवं 145 जनसामान्य को आयुर्वेदीय चिकित्सा प्रदान की गई। क्षेत्र के लोगों को आईईसी सामग्री वितरित की गई एवं स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी जानकारी दी गई।

26 अगस्त, 2013 को हरबिन्दर बे में आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा सर्वेक्षण (आयुर्वेद)

- इसके अतिरिक्त पिछले तीन महीनों में बहिरंग रोगी विभाग एवं वृद्धावस्था स्वास्थ्य रक्षा विभाग में क्रमश: 392 एवं 56 रोगी पंजीकृत किए गए।
- रंगत वन मंडल के तीन चिकित्सा-वानस्पतिक सर्वेक्षण दौरे संचालित किये गये तथा 3 वन क्षेत्र के 9 बिट्स का सर्वेक्षण किया गया। 13 वनस्परति दावे एवं 591 पादप प्रजातियों का संग्रहण किया गया।

27 अगस्त, 2013 को रामकृष्णपुर में नि:शुल्क आयुर्वेद शिविर

राष्ट्रीय आयुर्वेदिक औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

- डॉ. जयराम हाजरा, निदेशक संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेदिक औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के नेतृत्व में चिकित्सकों की एक टीम ने कोलकाता के हयात रिजेंसी में भारतीय वाणिज्य चैंबर द्वारा दिनांक 27-28 सितम्बर, 2013 को आयोजित समग्र स्वास्थ्य रक्षा विषय में सहभागिता की। इन दो दिनों के स्वास्थ्य रक्षा गतिविधि विषय में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श, नि:शुल्क स्वास्थ जांच एवं औषधि वितरण, आईईसी सामग्रियों का प्रदर्शन, 17 सामान्य औषधि पादपों का प्रदर्शन एवं सीसीआरएएस प्रकाशनों की प्रदर्शनी संचालित की गई। श्री चंद्रिमा भट्टाचार्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। डॉ. जयराम हाजरा, निदेशक (संस्थान), राष्ट्रीय आयुर्वेदिक औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, कोलकाता, द्वारा दिनांक 28 सितम्बर, 2013 को "आयुर्वेदिक वे ऑफ लाइफ - ए कोम्प्रीहेन्सिव" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

परिषद् द्वारा आईईसी/अन्य जागरूकता कार्यक्रम/आरोग्य मेलों का आयोजन एवं सहभागिता

आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

- चिकित्सकों की एक टीम डॉ. शशि घोष वैज्ञानिक-4 एसीआरआई, नई दिल्ली के नेतृत्व में दिनांक 29.09.2013 को 5वां दिल का दरबार मेले में उपस्थित हुई। परिषद् प्रकाशनों की बिक्री एवं नि:शुल्क प्रचार वितरण हेतु सामग्रियों को प्रदर्शित किया गया। डॉ. के.के. अग्रवाल के द्वारा आयुष सीसीआरएएस को प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश

- आईसीडीएस परियोजना, महिला एवं शिशु कल्याण संघ कृष्णा जनपद के सहयोग से संस्थान में दिनांक 2 अगस्त, 2013 को विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डॉ. आर.के. स्वामी , प्रभारी राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा, उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए

आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना (आयुर्वेद), पोर्ट ब्लेयर,अंडमान एवं निकोबार द्वीप

- स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, अंडमान निकोबार प्रशासन के अंतर्गत आयुष अस्पताल के तत्वाधान में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितम्बर से 29 सितम्बर, 2013 के दौरान आईएफटी ग्रांउड पोर्ट ब्लेयर में आयोजित खाद्य समारोह में इस एकक ने सहभागिता की। इस समारोह का उद्घाटन 27 सितम्बर, 2013 को मुख्य सचिव अंडमान निकोबार प्रशासन द्वारा किया गया। सचिव ने आयुष के प्रदर्शनी स्टॉल का भी निरीक्षण किया तथा आयुष पद्धति के संवर्धन एवं स्वास्थ्य रक्षा जागरूकता (जैसे दैनिक खाद्य सामग्री दाल, फल, सब्जियां, उनके संकेत एवं पथ्य परहेज आदि) पर एक प्रदर्शनी के माध्यम से जनसामान्य के बीच रखे गये लगभग 40-45 सामान्य औषधि पादप एवं दैनिक जीवन में उनके प्रयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। आईईसी सामग्री उनके बीच वितरित की गई। आगंतुकों के लिए एलसीडी प्रोजेक्टर पर पंचकर्म, योग एवं होम्योपैथी का श्रव्य-दृश्य प्रस्तुति मुख्य आकर्षण केन्द्र थी। जन समूह से अनुकूल प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ।

श्री आनन्द प्रकाश जी, भा.प्र.से., मुख्य सचिव, अंडमान निकोबार प्रशासन द्वारा 27 सितम्बर, 2013 को खाद्य समारोह में आयुष स्टॉल का निरीक्षण करते हुए

परिषद् अधिकारियों द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं में सहभागिता

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, जनकपुरी, नई दिल्ली

डॉ. भारती अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में व्याख्यान देते हुए

- डॉ. भारती, सहायक निदेशक (आयु.), डॉ. ओमराज शर्मा (वैज्ञा-4), डॉ. जी. वेंकेटश्वरलु (वैज्ञा-3), डॉ. एस.के. वेदी (वैज्ञा-2) एवं डॉ. बनमाली दास (वैज्ञा-2) ने विश्व परिवर्तन 2013 में स्वस्थ आयु पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में दिनांक 1 अक्टूबर, 2013 को जेएन टाटा सभागार, इण्डियन इन्सिटिट्यूट आफ साईन्स, बैंगलोर (भारत) में जरा विज्ञान एवं जरा चिकित्सा पर आयोजित विश्व महासम्मेलन में सहभागिता की। डॉ. भारती ने सामान्य एवं मनोचिकित्सीय समस्याओं हेतु आयुर्वेद में जरावस्था स्वास्थ्य रक्षा विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ.एन.श्रीकांत, सहायक निदेशक, सीसीआरएएस मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा मानकीकरण गाइडलाइन एवं नैदानिक परीक्षण पर वैधानिक स्थिति तथा औषधि उत्पादन में सम्मिलित वानस्पतिक औषधि पर अतिथि व्याख्यान दिया गया। इस कार्यशाला का आयोजन शरीर विज्ञान प्रतिरक्षा संस्थान एवं संबंधित विज्ञान, प्रतिरक्षा अनुसंधान विकास संगठन, नई दिल्ली द्वारा डीआरडीओ वैज्ञानिक हेतु दिनांक 18.9.2013 को औषधि विकास विषय प्रबंधन परियोजना पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. असीम भटनागर वैज्ञानिक-एफ, आईएनएमएएस, नई दिल्ली द्वारा सत्र का समन्वय किया गया। डॉ. एन. श्रीकांत ने भी पैनल विचार-विमर्श में भाग लिया। पारंपरिक चिकित्सा में औषधि विकास से संबंधित विभिन्न प्रश्नों पर पैनल के चिकित्सकों ने संबोधित किया।

- केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 20 सितम्बर, 2013 को "वर्कशाप ऑन मेडिकल राईटिंग एण्ड स्कोलरली पब्लिशिंग" पर आयोजित कार्यशाला में डॉ. एन. श्रीकांत, सहायक निदेशक, (आयु.), डॉ. शारदा ओटा, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), डॉ. विनोद कुमार लवानियां, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), डॉ. बी.एस. शर्मा, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), ने भाग लिया।
- डॉ. एन. श्रीकांत, सहायक निदेशक, (आयु.), डॉ. पी. पंत, सहायक निदेशक, (रसा.), डॉ. सोबरन सिंह, सहायक निदेशक, (आयु.), एवं डॉ. रेनु सिंह, सहायक निदेशक, (आयु.), ने आरएफडी एवं आरएफएमएस पर भारत सरकार केबिनेट सचिवालय के प्रबंध संपादन प्रभाग द्वारा दिनांक 20 अगस्त, 2013 को आयोजित प्रशिक्षण में सहभागिता की।
- राष्ट्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर एवं सीसीआरएएस मुख्यालय द्वारा दिनांक 30 अगस्त, 2013 को "आयुर्वेदिक औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं क्षमता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी" डॉ. भारती, सहायक निदेशक, (आयु.), डॉ. रविन्द्र सिंह, अनुसंधान अधिकारी (रसा.), वैज्ञा-3, डॉ. एस.के. वेदी, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), वैज्ञा-2, डॉ. बी.एस. शर्मा, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), वैज्ञा-2, डॉ. विनोद कुमार लवानियां, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), डॉ. अर्जुन सिंह, अनुसंधान अधिकारी (रसा.), डॉ. एस.सी. वर्मा, अनुसंधान अधिकारी (रसा.), डॉ. रेनु सिंह, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), एवं डॉ. श्रुति, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- डॉ. शारदा ओटा, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), ने दिनांक 20 से 21 जुलाई, 2013 को आईपीजीटीएंडआरए गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय जामनगर, गुजरात में "आयुर्वेद पर वैज्ञानिक लेखन एवं शोधकर्ताओं की समीक्षा प्रक्रिया" पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक, सिक्किम

- डॉ. टी.के. मंडल अनुसंधान अधिकारी, (वैज्ञा-2) प्रभारी, आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक, सिक्किम ने विश्व स्तनपान दिवस पर खाद्य एवं पोषक बोर्ड, भारत सरकार द्वारा दिनांक 07.08.2013 को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान आयुर्वेदीय प्रगति केन्द्र, बैंगलोर, कर्नाटक

- निम्हांस एवं भारतीय मूल के अमेरिकन अपस्मार चिकित्सक, यूएसए द्वारा दिनांक 16 से 18 अगस्त, 2013 को औषध प्रतिरोधी अपस्मार पर संचालित शैक्षणिक बैठक एवं संगोष्ठी में डॉ. डी. सुधाकर उपस्थित हुए।
- आईएचएसटी एवं एमएस रमैय्या संस्थान समूह द्वारा दिनांक 1-2 अगस्त, 2013 को "आयुर्वेद एवं एलोपैथी पर संयुक्त साक्ष्य आधारित समांकलन पहुंच" पर संचालित कार्यशाला में डॉ. एस.के. तिवारी उपस्थित हुए।
- निम्हांस में दिनांक 23 अगस्त, 2013 को "मानसिक विकार रोग निवारण" पर प्रो.दिनेश भुर्गा द्वारा जारी व्याख्यान में डॉ. राव बीसीएस, डॉ. श्रीनिवास साहू एवं डॉ. जी.वी. रमन उपस्थित हुए।
- स्पास्टिक सोसायटी ऑफ कर्नाटक, बैंगलोर द्वारा "एल्डरली आईडेंटीफिकेशन-अर्ली इन्टरवेंशन-प्रिवेंशन फॉर चिल्ड्रन विद न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर एंड डिस्ऐबिल्टिज" विषय पर दिनांक 14.09.2013 को संचालित जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. जी.वी. रमन उपस्थित हुए।

डॉ. अचंता लक्ष्मीपति आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र,चेन्नई

- डा. पी. श्रीनिवास अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने मदुरै, तमिलनाडु में दिनांक 25 से 26 जुलाई, 2013 को आयोजित भारत में डेंगु परिदृश्य पर ब्रेन स्ट्रोमिंग कॉन्फ्रेंस में उपस्थित हुए।

आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक, सिक्किम

- डॉ. टी.के. मंडल प्रभारी अनुसंधान अधिकारी, वैज्ञा-2 जल संसाधन मंत्रालय, केन्द्रीय जल आयोग तिस्ता बसिन द्वारा चिन्तन भवन गंगटोक में दिनांक 26.08.2013 को जल संरक्षण विषय पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित हुए ।

आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियेजना (आयुर्वेद), पोर्ट ब्लेयर,अंडमान एवं निकोबार द्वीप

- डॉ. संतोष एस. माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) एवं डॉ. चिन्मय रथ, अनुसंधान अधिकारी (वन.) ने नैदानिक अनुसंधान एकक (होम्यो.) एवं डीएचएस तथा आईसीएमआर के तत्वावधान में दिनांक 31 जुलाई, 2013 को आयोजित लैप्टोसिरोसिस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।

राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश

- सीआरएमई द्वारा मदुरै में दिनांक 25 से 26 जुलाई, 2013 को आयोजित वर्तमान परिदृश्य में डेंगू पर आयोजित ब्रेन स्ट्रोमिंग कॉन्फ्रेंस में डॉ. जी.के. स्वामी प्रभारी सहायक निदेशक (आयु.) ने सहभागिता की।

आरआरएपी आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुंबई

- आईपीजीटीआरए, जामनगर में दिनांक 13 सितम्बर, 2013 को नैदानिक परीक्षण पंजीकरण पर आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन-आईसीएमआर के संयुक्त कार्यशाला में डॉ. मनोहर एस. गुंदेती अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने भाग लिया ।
- टाटा मैमोरियल अस्पताल मुंबई द्वारा दिनांक 31 अगस्त, 2013 को "गुणवत्ता नैदानिक परीक्षण हेतु तैयार करना" विषय पर आयोजित कार्यशाला में डॉ. मनोहर एस. गुंदेती अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने सहभागिता की।
- ताड़पत्र पाण्डुलिपि परिरक्षण हेतु डिजिटल केन्द्र एवं पुस्तकालय विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 3 से 4 सितम्बर, 2013 को सांताक्रुज मुंबई में पांडुलिपि विज्ञान एवं पाठ्य समालोचना पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में डॉ. मनोहर एस. गुंदेती अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद

- जैव-विविधता बोर्ड आंध्र प्रदेश द्वारा डॉ. मैरी चन्ना रेड्डी, मानव संसाधन विकास, जुबली हिल्स, हैदराबाद में दिनांक 22 से 23 अगस्त, 2013 को आवेग एवं लाभ भाग हेतु जैव संसाधनों का आर्थिक मूल्यांकन पर जैव-विविधता अधिनियम 2002 के अंतर्गत राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में डॉ. बी. वेंकेटश्वरलु ने सहभागिता की।

सीसीआरएएस एवं परिषद् के अधिकारियों द्वारा प्रकाशन

डॉ. अचंता लक्ष्मीपति आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र, चेन्नै

- डॉ. ए.जे.वी. साईं प्रसाद, अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञा-2) प्रभारी ने आईएएमजे खंड 1, 3 मई-जून: 2013 में "हरिद्रा के जलीय सत्व का विश्लेषणात्मक मूल्यांकन" शीर्षक लेख प्रकाशित किया है। दीर्घायु अंतर्राष्ट्रीय अप्रेल-जून, 2013 खंड 29-02, अंक संख्या 114, पृष्ठ संख्या 41-48 में "पादप रासायनिक अन्वेषण एवं आमलकी एम्बिलिका ऑफिसिएनेलिस के हाईड्रोलिक एक्सट्रेट का विश्लेषण एवं मानकीकरण" शीर्षक प्रकाशित किया है।

राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी, केरल

- डॉ. सुदर्शन नायर, एम श्रीनिवासन एवं बी. पदमजा ने **"ए रिसर्च आर्टिकल-फाइटोकेमिकल आईडेंटीफिकेशन ऑफ नीलगिरीथंस साइलिएटस बाई जीसी-एमएस एनालाइसिस एंड इट्स डीएनए प्रोटेक्टिव इफ्केट इन कल्चर्ड लिम्फोसाइटस"** नामक लेख इन्टरनेशनल जर्नल-एशियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंस खंड 3, अंक 22, 2013 में प्रकाशित किया है। 10 अगस्त, 2013 को ऑन लाइन प्रकाशित।

- डॉ. सुदर्शन नायर, एम श्रीनिवासन एवं बी. पदमजा ने "एन आर्टिकल-फाइटोकेमिकल इन्वेस्टीगेशन एंड रेडिकल स्केविंग एक्टिविटीज ऑफ मेलिया एजाडिरेक्टा एंड इट्स डीएनए प्रोटेक्टिव इफ्केट इन केल्कुलेटिड लिम्फोसाइटस" इन इन्टरनेशनल जर्नल-फार्मास्युटिकल बायोलॉजी इन फार्मा हेल्थ केयर फोर्म बॉयल, 2013; 51(10) 1331-1340 28.08.2013 में प्रकाशित।

हर्बल आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र, लुमानी, नागालैंड

- बालाजी एम. पोटभरे अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य पत्रिका में खेलकूद में शारीरिक शिक्षा एवं कम्प्यूटर विज्ञान खंड-11 संख्या 1 तिमाही जुलाई से सितम्बर, 2013 में ऐस्पेरेंगस रेसिमोसस् इसके चिकित्सीय महत्व एवं खेलकूद चिकित्सा में स्वीकार्यता से संबंधित शोध पत्र शीर्षक प्रकाशित किया है।

राष्ट्रीय वृक्ष आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान,झांसी, उत्तर प्रदेश

- डॉ. नीलिमा शर्मा, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी द्वारा लिखित शोध लेख जोधपुर में अपरिष्कृत औषधियों के विपणन सर्वेक्षण जो कि आयुर्वेद चिकित्सा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के समकक्ष समीक्षित पत्रिका में जुलाई से सितम्बर, 2013 अंक में प्रकाशित हुआ है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश

- डॉ. जी. के. स्वामी, अनुसंधान अधिकारी (आयु) ने ट्रांसेक्शन ऑफ द रॉयल सोसायटी ऑफ ट्रोपिकल मेडिसिन एंड हाइजिन एडवांस एक्सस में जुलाई, 2013 में "कॉम्यूनिटी लेवल मोरबिडिटी कंट्रोल ऑफ लिम्फोडिमा यूजिंग सेल्फकेयर एंड इंटेग्रेटिव ट्रीटमेंट इन टू लिम्फेटिक फाइलेरिएसिस एनडेमिक डिस्ट्रिक ऑफ साउथ इंडिया ए नॉन रेंडोमाइज्ड इनटर्रवेंशनल स्टडी" नामक शीर्षक लेख प्रकाशित किया है।
- डॉ. जी. के. स्वामी, सहायक निदेशक (आयु) ने सीएमई, साउथ अफ्रीका खंड 31 सं.7 (2013), अगस्त 2013 में "कॉम्यूनिटी डेरमेटोलॉजी इन प्रैक्टिस एंड कंट्रोल ऑफ मोरबिर्डिटी इन लिम्फेटिक फाइलेरिएसिस पेशेन्ट्स इन इंडियन विलेजेज" शीर्षक लेख प्रकाशित किया है।

कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, चैन्नई

- डॉ. ए. सरस्वती, वी. मथुरम एवं टी. अलीरानी ने इन द जर्नल ऑफ फार्माकॉलोजी एंड फाइटोकेमिस्ट्री 2013; 2(2):74-80 में "केमिकल कॉन्स्टियूट ऑफ इंडिगोफेरा असपेलेथोडस वहल. एक्स टी.सी.के" शीर्षक लेख प्रकाशित किया है।
- डॉ. ए. सरस्वती, विद्या बालाकृष्णन एवं मर्सी लावनिया श्रीनिवासन ने पादप रसायन एवं भेषजगुण विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका, 2013 3(2): 85-89 के अंक में इलिसियम वर्म हुक एफ. के फल से आवश्यक तेल का रसायनिक सम्मिश्रण एवं जीवाणु प्रतिरोधी गतिविधि शीर्षक नामक लेख प्रकाशित किया है।
- डॉ. ए. सरस्वती एवं मर्सी लावनिया श्रीनिवासन ने अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका फार्मेसी एवं जीव विज्ञान 2013; 3(3): 212-217 में कोलियस विट्टीवेरोइडस के.सी. जैकब के मूल से आवश्यक तेलों का रसायनिक सम्मिश्रण एवं जीवाणु प्रतिरोधी गतिविधि नामक शीर्षक लेख प्रकाशित किया है।

आयुर्वेद मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान तिरुवन्नतपुरम, केरल

- एम श्रीनिवासन अनुसंधान अधिकारी (वन) बी. पदमजा वरिष्ठ परामर्शक (वनस्पति) एवं डॉ. सुदर्शन नायर, सहायक निदेशक (आयु.) (वैज्ञा-4) ने एशियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल ने फार्मास्युटिकल साइंस खंड 3, अंक 22, 2013 पृष्ठ 14-17 में "फाइटोकेमिकल आईडेंटीफिकेशन ऑफ नीलगिरीथंस साइलिएटस बाई जीसी-एमएस एनालाइसिस एंड इट्स डीएनए प्रोटेक्टिव इफ्केट इन कल्चर्ड लिम्फोसाइटस" में प्रकाशित किया है।

परिषद् अधिकारियों द्वारा वैज्ञानिक प्रस्तुति अतिथि व्याख्यान, रेडियो/दूरदर्शन वार्ता एवं साक्षात्कार

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, जनकपुरी, नई दिल्ली

- डॉ. एन. श्रीकांत सहायक निदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, जनकपुरी, नई दिल्ली ने 29 अगस्त, 2013 को भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली द्वारा संचालित आयुर्वेद एवं योग के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम हेतु आयुर्वेद का चिकित्सीय सिद्धांत पर व्याख्यान दिया।

आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियेजना (आयुर्वेद), पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीप

- डॉ. संतोष एस. माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) द्वारा दिनांक 27 जुलाई, 2013 को वन प्रशिक्षण संस्थान विम्बर्लिगुंज में "औषधीय पादप एवं पारंपरिक ज्ञान तथा स्थानीय स्वास्थ्य अभ्यास" पर व्याख्यान दिया गया।

कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषधि विकास अनुसंधान संस्थान, चैन्नई

- डॉ. आर. इलावरसन, सहायक निदेशक (भेषजगुणविज्ञान) (वैज्ञानिक-3) ने "बायोप्रोस्पेक्टिंग-ड्रग डेवल्पमेन्ट फ्रॉम नेचुरल रिसोर्सेस प्रॉब्लम्स प्रोस्पेक्टिव एंड चेलेंजस" विषय पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु आयोजित "बायोप्रोस्पेक्टिंग: द रूल ऑफ स्टेट फोरेस्ट डिपार्टमेंट नीड टू प्ले" प्रशिक्षण कार्यशाला में दिनांक 01.08.2013 को वन प्रजाति एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान कोयम्बटूर में अपना व्याख्यान दिया।
- डॉ. ए. सरस्वती, निदेशक ने एसआरएम विश्वविद्यालय के भेषजगुणविज्ञान रसायन विभाग द्वारा दिनांक 23 अगस्त, 2013 को आयोजित सम्मेलन में एएसयू पद्धति में औषधीय पादप के प्रयोग की मांग एवं आपूर्ति तथा वानस्पतिक औषधि पर रसायनिक सम्मेलन "ए ट्रेजर टू इंटरट्रेनरशिप" पर अपना व्याख्यान जारी किया।

आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र

- डॉ. एम.एन. सूर्यवंशी, सहायक निदेशक (आयु.) ने 4 सितम्बर, 2013 को आरआर पोदार आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज मुंबई में मेडिकल अधिकारियों हेतु क्षारसूत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षारसूत्र पर अतिथि व्याख्यान जारी किया।

आयुर्वेद मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान तिरुवन्नतपुरम, केरल

- डॉ. सुष्मिता पी. ओटा, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) ने हिन्दी पखवाड़ा समारोह के संबंध में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनन्तपुरम में 2 सितम्बर, 2013 को "जीवनशैली रोग एवं समाधान" पर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया।

परिषद् अधिकारियों द्वारा पुरस्कार/मानदेय की प्राप्ति

- डॉ. ओमराज शर्मा, वैज्ञानिक - 4 को 66वें स्वतंत्रता दिवस पर इंडको रेमिडीज लि. द्वारा 15 अगस्त, 2013 को सरिस्का बाघ आरक्षित, अलवर, राजस्थान भारत में आरोपित "ए बोन्टीफुल ट्री" से सम्मानित किया गया। उन्हें बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा चिकित्सा दिवस के अवसर पर 1 जुलाई, 2013 को भी सम्मानित किया गया।

हिन्दी कार्यशाला/ प्रशिक्षण संचालन/ में परिषद् के अधिकारियों/अधीनस्थ संस्थान द्वारा सहभागिता

आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, जनकपुरी, नई दिल्ली

आयुष सभागार में हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन

'महानिदेशक, सीसीआरएएस द्वारा हिन्दी पखवाड़ा का संदेश

- आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा 16 से 30 सितम्बर, 2013 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान डॉ. आर.पी. राय हिन्दी अधिकारी के समन्वय से परिषद् में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे वाद-विवाद, हिन्दी में निबंध लेखन, हिन्दी में टिप्पण एवं आलेखन, एमटीएस समूह हेतु श्रुतलेख एवं कविता पाठ का भी आयोजन किया गया। कविता पाठ कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के कवियों ने सहभागिता की। अधिकांश स्टॉफ/अधिकारियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्ण भाग लिया। विजेताओं/ कवियों एवं अन्य (जो जिसके पात्र थे) को हिन्दी में विशिष्ट योगदान देने हेतु मानदेय प्रदान किया गया।

आयुर्वेद मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान उन्नति केंद्र, बैंगलोर, कर्नाटक

एसीएएमएचएनएस,बैंगलोर में हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह का एक दृश्य

एसीएएमएचएनएस, बैंगलोर में हिन्दी पखवाड़ा समारोह का एक दृश्य

आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

- 23.08.2013 को एसीआरआई, नई दिल्ली के सभी तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री वी.पी.सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा विभाग) उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। डॉ. वी.पी.प्रसाद, निदेशक राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ नई दिल्ली डॉ. एस.के.मिश्रा भूतपूर्व सलाहकार आयुष एवं अध्यक्ष निखिल आयुर्वेद महासम्मेलन एवं डॉ.आर.पी.राय हिन्दी अधिकारी परिषद् मुख्यालय की ओर से विशिष्ट अतिथि थे। तकनीकी सत्र के दौरान सभी कार्यालीन कार्यों में हिन्दी भाषा के अधिकतम प्रयोग के लिए विशेषज्ञों ने जोर दिया।

एसीआरआई,नई दिल्ली में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

डॉ.अचन्ता.लक्ष्मीपति आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र

- अलर्का एवं कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषध विकास संस्थान चेन्नै द्वारा संयुक्त रुप से दिनांक 19-09-2013 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
  1. कार्यशाला में सदस्यों की सहभागिता
  2. डॉ. ए.जे.वी..साई प्रसाद, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी (आयु.)
  3. डॉ. प्रमिला देवी, अनुसंधान अधिकारी (आयु.)
  4. श्री बी.मोहन, सहायक
  5. श्रीमती ई.नागा लक्ष्मी, आशुलिपिक ग्रेड-सी एवं स्टाफ

आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुंधान संस्थान, जम्मू

एआरआई, जम्मू में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

- मुख्यालय के निर्देशानुसार 16 से 30 सितम्बर 2013, तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। पखवाड़े का शुभारम्भ संस्थान प्रभारी द्वारा प्रोफेसर डॉ.अभिमन्यु कुमार, महानिदेशक सीसीआरएएस के संदेश को पढ़कर किया गया। दिनांक 16 सितम्बर 2013 को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 30 सितम्बर 2013 को मुख्य अतिथि डॉ.अमर सिंह, सचिव नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जम्मू द्वारा समापन समारोह में नकद पुरस्कारों का वितरण किया गया।

राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान,चेरुतुरुथी

एनआरआईपी चेरुतुरुथी में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
(16 से 30 सितम्बर *2013)*

पंचकर्म प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र कोर्स (जुलाई-सितम्बर 2013) 23वां बैच

आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गंगटोक सिक्किम

एआरआई, गंगटोक द्वारा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन
(16 से 30 सितम्बर 2013)

उत्तर पूर्व भारत आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी, असम

एनईआईएआरआई गुवाहाटी में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
(16 से 30 सितम्बर 2013)

हर्बल आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, लुमामी नागालैंड

एसीआरसी नागालैंड द्वारा हिन्दी पखवाड़े का आयोजन
(16 से 30 सितम्बर 2013)

राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान विजयवाड़ा

एनएआरआईवीवीडी विजयवाड़ा द्वारा हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
(16 से 30 सितम्बर 2013)

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद

- एन.आई.आई.एम.एच. द्वारा संस्थान परिसर में 09.07.2013 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ. आर.पी.राय, सीसीआरएएस, नई दिल्ली कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे एवं अन्य अतिथि श्री बी.जे. आचार्यलू, प्रमुख, वित्त एवं लेखा मडंल, सीडीएफडी, हैदराबाद थे। प्रातकालीन सत्र में डॉ. आर.पी.राय ने दीप प्रज्वलन एवं भगवान धनवन्तरी को माल्यार्पण करते हुए कार्यशाला का उद्घाटन किया। श्री बी.जे.आचार्यलू ने अपना अतिथि भाषण प्रस्तुत किया। डॉ. एम.यू.अजहर, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), सीसीआरयूएम ने कार्यालय में राजभाषा के प्रयोग पर अपने विचार व्यक्त किए। अंत में डॉ आर. पी. राय ने अपना वक्तव्य दिया जिसमें उन्होनें तकनीकी कार्यों में राजभाषा के प्रयोग में एनआईआईएमएच के योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

प्रमुख बैठकें/ सेमिनार / आयोजित संगोष्ठियां/ परिषद्/ संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा सहभागिता

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, जनकपुरी, नई दिल्ली

- वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की चौथी बैठक प्रो.आर.एच.सिह आईएमएस बी.एच.यू.वाराणसी के जाने माने प्रोफेसर की अध्क्षता में 30 सितंबर 2013 को प्रात: 10:00 बजे सीसीआरएएस मुख्यालय के सभागार में आयोजित की गई। सर्व प्रथम डॉ. एम.एम.पाढ़ी उपनिदेशक तकनीकी ने वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष एवं सदस्यों का औपचारिक स्वागत किया एवं कार्यसूची का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। प्रो. आर.एच.सिंह ने अपनी प्रारम्भिक टिप्पणी में अनुसंधान परिषद् को इसके

लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आरएण्डडी क्षमताओं का विकास करने पर जोर दिया एवं सभी सदस्यों के विचार आमंत्रित किए। विभिन्न प्रमुख मुद्दों जैसे विकास योजनाएं एवं सीसीआरएएस के चयनित संस्थानों के नाम परिवर्तन एवं आज्ञापत्र पुन:प्रदान करने, संयुक्त अनुसंधान के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) पर विस्तृत चर्चा की गई एवं बोर्ड द्वारा स्वीकृत किए गए। इसके बाद अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा परिषद् की अनुसंधान क्षमताओं में वृद्धि के लिए विभिन्न परामर्श एवं मार्गदर्शन दिए गए। प्रो. आर.एच.सिंह अध्यक्ष, सैब ने उनकी अंतिम टिप्पणी में परिषद् के महानिदेशक एवं स्टाफ की आर एण्ड डी क्रियाकलापों को विकासात्मक रुप प्रदान करने के लिए प्रशंसा की। प्रो.अभिमन्यु कुमार, महानिदेशक सीसीआरएएस ने बोर्ड के अध्यक्ष एवं सदस्यों का उनके सहयोग एवं प्रोत्साहन तथा बहुमूल्य सुझाव देने के लिए आभार व्यक्त किया।

सैब की चौथी बैठक में प्रो. आर.एच. सिंह अध्यक्ष एवं अन्य सदस्य सीसीआरएएस सभाकक्ष में

सीसीआरएएस सभाकक्ष में सैब (वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड) की चौथी बैठक का एक दृश्य

- **संयुक्त अनुसंधान के लिए आयुर्वेदिक नेत्ररोग विज्ञान की क्षमता का विस्तार एवं प्राथमिकताओं की पहचान पर विचार मंथन सत्र** केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् एवं नेत्ररोग विज्ञान के लिए डॉ. आर.पी.केन्द्र द्वारा संयुक्त रुप से अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान नई दिल्ली में 12 अगस्त 2013 को आयोजित किया गया। प्रो.आजाद, निदेशक, नेत्ररोग विज्ञान के लिए डॉ. आर.पी. केन्द्र ने उनकी प्रारम्भिक टिप्पणी में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के वैधीकरण की आवश्यकता एवं इस विज्ञान की क्षमताओं के विस्तार पर जोर दिया। प्रो. अभिमन्यु कुमार महानिदेशक सीसीआरएएस में बताया कि परिषद् नेत्ररोग विज्ञान के लिए डॉ. आर.पी. केन्द्र अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के साथ सक्रिय सहयोग हेतु नेत्ररोग विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए वैश्विक स्वीकार्यता हेतु रुचि रखती है। डॉ. एम.एम. पाढ़ी, उप निदेशक (तक.) ने संयुक्त अनुसंधान के लिए परिषद् की योजनाओं के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया। डॉ. एन. श्रीकान्त, सहायक निदेशक सीसीआरएएस मुख्यालय ने 'रिसर्च लीड्स इन आयुर्वेदिक ओपथेलमोलॉजी - पोटेंशियल एण्ड स्ट्रेंथ ऑफ आयुर्वेद इन आई डिसीज' पर प्रस्तुतिकरण दिया। इसके साथ सहयोग एवं अनुसंधान क्षेत्रों के साधनों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। डॉ जसबीर कौर, एसोसिएट प्रोफेसर, नेत्ररोग विज्ञान के लिए डॉ. आर.पी.केन्द्र ने कार्यक्रम का समन्वय किया। डॉ विनोद कुमार लवानिया अनुसंधान अधिकारी (आयु), डॉ बी एस शर्मा अनुसंधान अधिकारी (आयु) ने भी विचार विमर्श में भाग लिया।

एम्स नई दिल्ली में नेत्ररोग विज्ञान के लिए डॉ. आर.पी.केन्द्र में विचार मंथन सत्र का एक दृश्य

डॉ.आजाद, प्रमुख नेत्ररोग विज्ञान, डॉ. आर.पी.केन्द्र, एम्स, प्रो.अभिमन्यु कुमार, महानिदेशक, सीसीआरएएस, डॉ.एम.एम.पाढ़ी, उप निदेशक (तक.) सीसीआरएएस, एम्स नई दिल्ली में विचार मंथन सत्र में

- **सीसीआरएएस की अन्त:वर्ती परियोजना मूल्यांकन एवं नियत्रंण समिति** की दूसरी बैठक प्रो. अभिमन्यु कुमार महानिदेशक सीसीआरएएस की अध्यक्षता में 2.7.2013 को आयोजित की गई सीसीआरएएस के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न परियोजना प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई एवं उनमे से कुछ अनुमोदित किए गए।

- **बहिवर्ती अनुसंधान की आंतरिक छानबीन समिति की बैठक आयुष विभाग (आयुर्वेद) में प्रो. अभिमन्यु कुमार** महानिदेशक सीसीआरएएस की अध्यक्षता में 23.8.2013 को आयोजित की गई। उचित परियोजना प्रस्तावों की सिफारिश के लिए विभिन्न नवीन परियोजनाएं एवं चल रही परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा की गई।

- सीसीआरएएस सलाहकार समिति की बैठक श्रीधरियम् आयुर्वेदिक नेत्ररोग उपचार एवं अनुसंधान सुविधाऐं एसीआरआई दिल्ली में डॉ.एम.एम.पाढ़ी, उप निदेशक (तक.) सीसीआरएस मुख्यालय की अध्यक्षता में 27 अगस्त, 2013 को आयोजित की गई। डॉ.एन.श्रीकांत, सहायक निदेशक (आयु) डॉ. एम एम राव, निदेशक एसीआरआई, नई दिल्ली, डॉ. सैयद हिसार, अनुसंधान अधिकारी (औषधि) सीसीआरएएस मुख्यालय से एवं श्रीधरियम चिकित्सालय से प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। समिति ने सुविधा के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

- परिषद् ने 1 सितंबर 2013 को आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में श्री बाला प्रसाद संयुक्त सचिव, आयुष की अध्यक्षता में आयोजित ईएमआर परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) की बैठक में सहभागिता की ।

- सीसीआरएएस की स्थाई वित्त समिति की 70वीं बैठक श्री बाला प्रसाद, संयुक्त सचिव, आयुष की अध्यक्षता में 19 अगस्त 2013 को आयोजित की गई समिति ने सीसीआरएएस संस्थान की उन्नति एवं भवन आदि का विकास करने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा एवं सिफारिश की ।

- सीसीआरएएस की स्थाई वित्त समिति की 71वीं बैठक श्री बाला प्रसाद, संयुक्त सचिव, आयुष की अध्यक्षता में 19 सितम्बर 2013 को आयोजित की गई समिति ने सीसीआरएएस संस्थान की उन्नति एवं भवन आदि का विकास करने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा एवं सिफारिश की ।

राष्ट्रीय आयुर्वेद-सिद्ध विज्ञान मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर

- एक **"राष्ट्रीय सेमिनार आयुर्वेद औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं प्रभावकारिता" पर 30 अगस्त 2013 को आयोजित किया गया।** संस्थान द्वारा यह संगोष्ठी आयुर्वेद औषधियों की सुरक्षा एवं आयुर्वेद औषधियों के अशुद्ध रुपों एवं अनुचित मात्रा के विषय में जागरुकता बढ़ाने के लिए आयोजित की गई।

डॉ.अभिमन्यु कुमार, महानिदेशक, सीसीआरएएस, डॉ. वी.के. जोशी, बीएचयू, वाराणसी, डॉ. अनिल मंगल आयोजक सचिव, डॉ.एम.डी. गुप्ता, प्रभारी एनआरआईएएसएचआरडी एवं डॉ. भारती, सहा. निदे. (आयु.) ग्वालियर में दाएं से बाएं

उद्घाटन सत्र प्रात: 10 बजे मध्य प्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं इण्डस्ट्री के सभागार में धनवन्तरी वन्दना एवं सदस्य सचिव के स्वागत भाषण के साथ प्रारम्भ हुआ ।सत्र का प्रारम्भ प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली की अध्यक्षता में हुआ तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों डॉ. वी.के. जोशी प्रो. बीएचयू, वाराणसी, डॉ. भारती, सहायक निदेशक (आयु.) सीसीआरएएस, नई दिल्ली डॉ. श्रीमती एम.डी. गुप्ता, प्रभारी सहायक निदेशक, एनआरआईएएसएचआरडी, ग्वालियर, डॉ.ए.डी.जाधव, अनु.अधि. (आयु) (वैज्ञानिक-4) एवं डॉ. अनिल मंगल, आयोजक सचिव मंच पर विराजमान थे। विभिन्न क्षेत्रों जैसे-मीडिया, आयुर्वेद, फार्माक्युटिकल्स साइन्स, बॉटनी, जुलॉजी, कमेस्ट्री, फार्माकॉगनोसी, आदि से लगभग 200 लोगों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रो.डॉ. अभिमन्यु कुमार महानिदेशक, सीसीआरएएस, नई दिल्ली ने अपने प्रारंभिक भाषण में आयुर्वेद के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, विद्वानों को आयुर्वेद औषधियों के संबंध में सुरक्षा एवं गुणवत्ता के विषय में जानकारियों को अद्यतन एवं ताजा रखने पर जोर दिया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रख्यात वक्ताओं द्वारा दो सत्रों में 7 व्याख्यान दिए गए। प्रो. वी.के.जोशी, प्रमुख (द्रव्यगुण विभाग), बीएचयू, डॉ. आनन्द चौधरी एसोसिएट प्रो.(रसशास्त्र) बीएचयू, डॉ. गालिब, असिस्टेंट प्रो. (रसशासत्र) आईपीजीटी एंड आरए, गुजरात आयु. विश्वविद्यालय, जामनगर, डॉ. एस.जे.एस.फ्लोरा, वैज्ञानिक 'जी' (एसोसिएट निदेशक) एवं विभागाध्यक्ष, फार्माकालॉजी एवं टॉक्सीकॉलोजी डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय, डॉ. रविन्द्र सिंह, अनुसंधान अधिकारी (रसायन) (वैज्ञा-3) सीसीआरएएस, नई दिल्ली, डॉ. एस.एन. गैधानी सहायक निदेशक, (भेषज) सीसीआरएएस, नई दिल्ली एवं डॉ. जी.बी.के.एस. प्रसाद, विभागाध्यक्ष जैव रसायन अध्ययन विभाग जीवाजी विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ग्वालियर में राष्ट्रीय सेमीनार का एक दृश्य

- कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय डॉ. भारती, सहायक निदेशक (आयु.) सीसीआरएएस नई दिल्ली ने किया। आयोजक समिति के सदस्य डॉ. ए.डी. जाधव, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. पी.एल. भारती, डॉ. एम.एम. बंजारी, डॉ. ए.के. मीना, श्री एन.के. पाण्डेय, श्री एस.सी. मेहता, डॉ. डी.एस.रोतवार डॉ. भावना श्रीवास्तव थे।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेदिक औषधियों की सुरक्षा के बारे में जानकारी को बढ़ाना है एवं उनके तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही साथ आयुर्वेद अनुसंधान एवं आतुरीय क्षेत्र में इस क्षेत्र की नवीन पद्धतियों के लिए उचित माध्यम उपलब्ध कराना है।
- डॉ.एम.एम.बंजारी अनु.अधि. (भेषज) ने 19 अगस्त 2013 को स्थाई वित्त समिति की 70 वीं बैठक में भाग लिया।
- इंस्टीट्यूशनल एनिमल एथिक्स समिति की 7वीं बैठक 16 सितंबर 2013 को आहूत की गई ।

राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरुतुरुथी

- डॉ. पी.के.एस.नायर, प्रभारी सहायक निदेशक, एनआरआईपी चेरुतुरुथी ने 19 अगस्त 2013 को आयुष विभाग के अधीन सीसीआरएएस नई दिल्ली में एसएफसी की 70वीं बैठक में सहभागिता की एवं एनआरआईपी चेरुतुरुथी के उत्थान से संबंधित योजनाओं पर एक विस्तृत पावर पॉइन्ट प्रस्तुतिकरण दिया।
- परिषद् के पत्रांक 1-1/2013-एनआरआईपी पर 161 शिशु मृत्युदर एवं अट्टापैडी आदिवासी जनसंख्या में संबद्ध स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरुकता बढ़ाने के संबंध में भविष्य में की जाने वाली

कार्यवाही का ऑकलन करने के लिए प्रभारी सहायक निदेशक की अध्यक्षता में तकनीकी अधिकारियों की बैठक बुलाई गई।

दिनांक 16.07.2013 को निम्नलिखित अधिकारियों ने डीएमओ कार्यालय एवं पालक्काड के एनआरएचएम अधिकारी से भेंट की।

1. डॉ. पी.के.एस.नायर प्रभारी सहायक निदेशक
2. डॉ.वी.सी.दीप अनु.अधि. (वैज्ञा.-3)
3. डॉ.थामिज सेल्वम अनु.अधि. (वैज्ञा.-2)

एवं डॉ. के.वेणुगोपाल, डीएमओ पालक्काड से चर्चा की एवं डॉ. के.वेणुगोपाल डीएमओ के परामर्श के अनुसार 24.07.2013 को अट्टापैडी में आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा परियोजनाओं में सहायक रुप से कार्य कर रहे अधिकारियों एवं इस क्षेत्र में वास्तविक मुद्दों का पता लगाने के लिए प्राधिकारी समाज कल्याण संस्थाओं से भेंट की।

आयुर्वेद क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान तादोंग गंगटोक, सिक्किम

- डॉ. एस.के.देवनाथ अनु.अधि. (वैज्ञा.-1) (आयुर्वेद) ने दिनांक 06.08.2013 को पीआइबी गंगटोक में आइएमपीसीसी की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. टी.के.मंडल, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी, (वैज्ञानिक-2) ने दिनांक 06.09.2013 को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार, तादोंग सिक्किम द्वारा आयोजित एमएसीपी की बैठक में भाग लिया।

हर्बल आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र लुमामी, नागालैंड

- नागालैंड विश्वविद्यालय लुमामी में सीसीआरएस के हर्बल आयुर्वेद अनुसंधान केन्द्र के विकास के संबंध में नागालैंड विश्वविद्यालय लुमामी के कुलपति एवं लुमामी ग्राम के प्रमुख (जी.बी.) से भेंट की।

आयुर्वेद आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना, पोर्ट ब्लेयर,अंडमान निकोबार द्वीप समूह

- डॉ. सन्तोष एस.माने अनुसंधान अधिकारी(आयु) ने सीएआरआई पोर्ट ब्लेयर में 29 जुलाई 2013 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की 71वीं अर्धवार्षिक बैठक में भाग लिया।

कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति आयुर्वेद एवं सिद्ध औषध विकास अनुसंधान संस्थान,चेन्नै

- डॉ. ईलावर्सन सहायक निदेशक (भेषज) वैज्ञानिक-3 एवं श्री जी.नरतूनी अनुसंधान अधिकारी (भेषजगुण) ने चेन्नै में दिनांक 27 जुलाई 2013 को इंडियन फार्माक्युटिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित ''इन्टलेक्च्युवल प्रापर्टी राइट्स फार फार्माक्युटिकल्स कंपनीज'' पर एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया डॉ. जी. कुसुम अनुसंधान अधिकारी, वैज्ञानिक – 2 ने 13 जुलाई 2013 को एस.आर.एम.विश्वविद्यालय के अनुवांशिक अभियांत्रिकी विभाग में पीएचडी छात्रों की विस्तृत परीक्षा हेतु आंतरिक विशेषज्ञ के रुप में भाग लिया।

आयुर्वेद मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान संस्थान तिरुवन्न्तपुरम, केरल

- डॉ. इन्द्राकुमारी प्रभारी अनुसंधान अधिकारी, (वैज्ञानिक -4) ने 25 एवं 26 जुलाई 2013 को होटल संगम मदुरै तमिलनाडु में सेंटर फार रिसर्च इन मेडिकल एटीमोलॉजी (आईसीएमआर) द्वारा आयोजित भारत में डेंगू परिदृश्य, रोगभार निरीक्षण एवं नियंत्रण पर दो दिवसीय विचार मंथन संगोष्ठी में भाग लिया
- डॉ. एम. श्रीनिवासन, अनुसंधान अधिकारी (बायोकेमेस्ट्री) 28 अगस्त 2013 को पेरियार विश्वविद्यालय, शालेम, तमिलनाडु के बायोकेमेस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित ''हर्ब्स: ए नेशनल वंडर फार डिसीज एण्ड पेस्ट कंट्रोल'' ने यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विचार विमर्श में भाग लिया एवं ''फाइटोकेमिकल इनवेस्टिगेशन एवं रेडीकलस्केवेंजिंग एक्टीविटीज ऑफ मेलिया अजाडार्क एण्ड इट्स डीएनए प्रोटेक्टिव इफेक्ट इन कल्चर्ड लिम्फोसाइड्स'' पर पेपर प्रस्तुत किया।

नियुक्तियां/पदोन्नति/सेवानिवृत्ति आदि

डॉ. एम. एम. पाढ़ी, उप निदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने 1 अक्टूबर 2013 से केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के निदेशक का सभी प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारों के साथ अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।

- डॉ. रूपा शर्मा, सहायक निदेशक (आयु.) (वै-4), आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, पंजाबी बाग नई दिल्ली 31 जुलाई, 2013 को सेवानिवृत्त हो गईं ।
- श्री के. रवीन्द्रन, प्रवर श्रेणी लिपिक राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरूतुरूथी 31 जुलाई , 2013 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री ए. के. देवांगन, राष्ट्रीय पंचकर्म अनुसंधान संस्थान, चेरूतुरूथी में 4 जुलाई, 2013 को सहायक के पद पर पदोन्नत हुए।
- डॉ. श्रीमती एम.डी. गुप्ता, प्रभारी सहायक निदेशक राष्ट्रीय आयुर्वेद-सिद्ध विज्ञान मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर 31 अगस्त 2013 को सेवानिवृत्त हो गईं ।
- डॉ. ए.डी. जाधव, अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञा-4) ने 1 सितंबर 2013 को राष्ट्रीय आयुर्वेद-सिद्ध विज्ञान मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्रीमती शारदा देवी, वार्ड आया राष्ट्रीय आयुर्वेद-सिद्ध विज्ञान मानव संसाधन विकास अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर 30 सितंबर 2013 को सेवानिवृत्त हो गईं।
- श्री जनक राज, प्रयोगशाला तकनीशियन राष्ट्रीय आयुर्वेद भेषज अनुसंधान संस्थान, 31 जुलाई, 2013 को सेवानिवृत्त हुए ।
- आयुर्वेद आदिवासी स्वास्थ्य रक्षा अनुसंधान परियोजना, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में दिनांक 22 जुलाई 2013 को वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (बॉटनी) एवं कार्यालय सहायक के चयन के लिए वॉक इन इंटरव्यू किया गया श्री जमील बख्श एवं श्री डैरिक मिंज ओएस एवं एसआरएफ के पद पर क्रमश: अगस्त माह में चयनित हुए।
- श्रीमती चौ. पदमावती आया, राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान विजयवाड़ा 31 जुलाई 2013 को सेवानिवृत्त हुईं।
- श्रीमती जी विजय कुमारी प्रभारी नर्स राष्ट्रीय आयुर्वेद रोगवाहक जनित रोग अनुसंधान संस्थान विजयवाड़ा 31 जुलाई 2013 को सेवानिवृत्त हुईं।
- श्री जी.बी.गावड़े, सहायक, आरआरएपी आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान मुम्बई 31 जुलाई 2013 को सेवा निवृत्त हुए।
- श्रीमती छाया रानी, आया आरआरएपी आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान मुम्बई 16 अगस्त 2013 को स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुईं।
- डॉ. भुवनेश कुमार शर्मा,अनु.अधि. (आयु.)(वैज्ञा.-2)का स्थानान्तरण राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद से आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, जयपुर किया गया, 6 सितम्बर 2013 को उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री देशराज अनिवार्या, प्रयोगशाला परिचर 31 जुलाई 2013 एवं श्री प्रभु सिंह रावत सहायक 30 सितम्बर 2013 को आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, जयपुर से सेवानिवृत्त हुए।

परिषद् से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे /सीसीआरएएस में आयुष/ देश एवं विश्व स्तर

आयुर्वेद केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, पंजाबी बाग नई दिल्ली

माननीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीमती संतोष चौ. का 24.09.2013 को एसीआरआई, पंजाबी बाग, नई दिल्ली का दौरा

माननीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीमती संतोष चौ. का 23.08.2013 को सफदरजंग चिकित्सालय, नई दिल्ली के आयुर्वेद उपचार केन्द्र का दौरा

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, जनकपुरी, नई दिल्ली

- **सचिव, आयुष विभाग का एसीएएमएच एवं एनएस (सीसीआरएएस), निम्हांस बैंगलोर का दौरा:** दिनांक 20.09.2013 को श्री नीलान्जन सान्याल, सचिव, आयुष विभाग भारत सरकार, ने केन्द्र का दौरा किया। केन्द्र के सहायक निदेशक डॉ. डी. सुधाकर ने उनका स्वागत किया तथा प्रारम्भ से केन्द्र के क्रियाकलापों एवं उपलब्धियों के बारे में बताया। केन्द्र की पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं एवं चल रही परियोजनाओं तथा निम्हांस के साथ संयुक्त परियोजनाओं के बारे में संक्षिप्त रुप में सूचना दी। सचिव ने पंचकर्म विभाग, आईपीडी एवं केन्द्र के अन्य विभागों का निरीक्षण किया एवं चल रहे कार्यों में रुचि प्रकट की। उन्होंने केन्द्र के कर्मचारियों से भी वार्तालाप की। उन्होंने संस्थान की गतिविधियों की सराहना की तथा कर्मचारियों को निरन्तर रुप से अच्छा कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया।

श्री नीलान्जन सान्याल, सचिव, आयुष विभाग का डॉ. डी सुधाकर, सहायक निदेशक, एसीएएमएच एवं एनएस बंगलुरु द्वारा स्वागत।

श्री नीलान्जन सान्याल, सचिव, आयुष विभाग एसीएएमएच एवं एनएस में पंचकर्म विभाग की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए।

- भूटान प्रतिनिधिमंडल द्वारा आयुष अनुसंधान परिषदों का दौराभूटान की आधिकारिक टीम श्री :

पयोगेन डेन्ड, श्री शेराब टेंन्जिन, श्री सिंगे वांगचुक एवं श्री चिमी जत्शो ने को श्रेष्ठ 2013 जुलाई 9 निर्माण प्रक्रिया क पर आंतरि (ट्रेडिशनल मेडिसिन) भाग के रुप मेंआयुष अनुसंधान परिषदों का दौरा किया। उनके दौरे की शाम को की वैज्ञानिक बैठक बुलाई गई, जिसमें आयुष अनुसंधान परिषदों के वैज्ञानिकों ने व्याख्यान में सहभागिता की। वैज्ञानिक वक्तव्यों में आयुष परिषदों की आर एवं डी गतिविधियों एवं आयुष संस्थानों के भेषज विज्ञानीय कार्यों के संबंध में परिचर्चा एवं सिंहावलोकन प्रस्तुत किया गया, ''सीसीआरएएस के अनुसंधान एवं विकास'' पर वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा के पश्चात प्रस्तुतीकरण दिया गया, टीम ने सीसीआरयूएम के संग्रहालय का दौरा किया। इसके बाद टीम ने सीसीआरवाईएन द्वारा योग प्रदर्शन का अवलोकन किया। परिषदों ने भूटान अधिकारियों को वैज्ञानिक साहित्य पुस्तकें प्रस्तुत की।

आरआरएपी, आयुर्वेद कैंसर अनुसंधान संस्थान, मुम्बई

- **आरआरए पोदार** आयुर्वेद कैंसर अनुसंधन संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम के लिए संबद्धता हेतु रसितम्ब 24 न में डॉको संस्था 2013. एमबघेल .एस. आईपीजीटीआरए, जामनगर गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में स्थानीय निरीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई।

हमारे संस्थान

हिमालयन वनस्पति क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, थापला, रानीखेत, उत्तराखण्ड

संस्थान का एक दृश्य

संस्थान की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य

कस्तूरी मृग

संस्थान की स्थापना 1964 में औषधीय पादपों के सर्वेक्षण के लिए अनुदान प्राप्त एकक के रुप में हुई थी एवं हिमालयन वनस्पति क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, (आरआरआईएचएफ) के रुप में पुर्नस्थापना वर्ष 2009 में की गई थी। संस्थान सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए उत्तर पश्चिम हिमालय के औषधि पादपों पर अनुसंधान हेतु मुख्य संस्थान है। संस्थान के उद्देश्य औषधीय पादपों एवं उनके उपयोगिता के लिए स्थानीय पारम्परिक धारणा को मजबूत बनाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में कस्तूरी मृग पालन तथा उत्तर पश्चिम हिमालय में औषधीय पादपों की उपलब्धता एवं वितरण का ऑकलन करते हुए केसर एवं अन्य औषधीय पादपों की कृषि के लिए आवश्यकता आधारित तकनीक का विकास करना है।

वर्तमान में संस्थान के पास दो हर्बल उद्यान रानीखेत (अल्मोड़ा उत्तराखंड) एवं चम्बा (टिहरी उत्तराखंड) में प्रदर्शन एवं रैट श्रेणी के औषधीय पादपों की लघु स्तर पर कृषि के उद्देश्य से हैं। संस्थान के उद्भिदालय में 70 हजार उद्भिदालय शीट एवं संग्रहालय में उत्तर पश्चिम हिमालय क्षेत्र में प्रयुक्त आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से संबंधित नमूने हैं। संस्थान में कस्तूरी मृग पालन हेतु एक कस्तूरी मृग फार्म मेहरौरी (बागेश्वर उत्तराखंड) में हैं।

संस्थान ने पश्चिमी हिमालय से इंडियन जिंसेंग (पैनिक्स स्युडोजिंसेंग वाल) एवं आर्चिड (डिप्लोमैरिस हिरसुटा लिंड) प्राप्त करने का नया रिकार्ड बनाया है। पादप जैसे वैलिचिया डेसीफ्लोरा मार्ट एवं फाइनियम प्लेसेंट्रियम नीस जो कि लगभग एक शताब्दी से विलुप्त माने जा रहे थे, संस्थान द्वारा पाए गए एवं एकत्रित किए गए। संस्थान बाटनी में पीएचडी के लिए कुँमाऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल उत्तराखंड द्वारा मान्यता प्राप्त है, तीन छात्रों का नामांकन एवं तीन छात्रों को सिस्टमैटिक बोटनी में पीएचडी प्रदान की गई।

हाथजारी (डेक्टीलोर्हिजा हाटाजेरिया)

संस्थान का सम्पर्क विवरण

डॉ. जी.सी.जोशी, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी, हिमालयन वनस्पति क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, सीसीआरएएस, थापला, पीओ गनियाद्योली वाया रानीखेत, जिला-अल्मोड़ा उत्तराखण्ड – 263 645, दूरभाष.: 05966-264264, फैक्स: 05966-264265, E-mail ID: rrihf.tarikhet@gmail.com